SCS College of Agriculture के सभागार के उद्घाटन के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के संबोधन का प्रारूप

दिनांक : 26 जुलाई 2024, शुक्रवार	समय : 4.22 PM	स्थान : रंगामाटी, चापर, धुबड़ी

आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित

- असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति **डॉ. बिद्युत चन्दन डेका जी,**
- धुबड़ी जिले के जिला आयुक्त **श्री दिवाकर नाथ जी,**
- विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार **श्री तपन कुमार गोहाईं जी**,
- विश्वविद्यालय के डीन व निदेशक **डॉ. प्रसन्न कुमार पाठक जी,**
- एसोसिएट डीन **डॉ. रंजीत शर्मा जी,**
- विभिन्न विभागों के अधिकारी गण,
- विशिष्ट अतिथि गण,
- संकाय सदस्य, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी
- और इस कॉलेज के छात्र-छात्राएं।

आप सभी का मेरा नमस्कार,

1. असम के धुबड़ी जिले के रंगामाटी में "शरत चंद्र सिंह कृषि महाविद्यालय" के सभागार के उद्घाटन के अवसर पर आप सभी के साथ यहां आकर वास्तव में बहुत खुशी हो रही है।
2. मुझे किसानों, छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और कृषि से जुड़े सभी लोगों से विशेष लगाव है, क्योंकि राष्ट्र के विकास में ये महत्वपुर्ण कारक हैं। कृषि असम के सामाजिक और आर्थिक विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह राज्य के समग्र विकास की कुंजी है।
3. कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राज्य की 70 प्रतिशत ग्रामीण आबादी व्यवसाय और आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। इसलिए कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देना बहुत आवश्यक है।

4. कृषि क्षेत्र के विकास में कृषि शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है। कृषि शिक्षा किसानों को आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों तथा उन्नत तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। किसानों को खाद्य उद्पादन के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करती है।

5. मुझे खुशी है कि असम कृषि विश्विविद्यालय अपने शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार सेवाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन में वृद्धि करने, किसानों को कृषि उत्पादन में आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आने वाले वर्षों में खाद्य सुरक्षा, जल की गुणवत्ता, जैविक ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, भुखमरी जैसी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और मुझे विश्वास है कि असम कृषि विश्वविद्यालय इन चुनौतियों का सामना करने और 21वीं सदी की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

6. असम कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत **शरत चन्द्र सिन्हा कृषि महाविद्यालय (Sarat Chandra Sinha College of Agriculture)** भी क्षेत्र में कृषि शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। इस कॉलेज के छात्र भाग्यशाली हैं कि उन्हें यहाँ सीखने का इतना सुंदर और शांतिपूर्ण वातावरण मिला है। कॉलेज के शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षण के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और अन्य गतिविधियों के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

7. आज यहां मुझे इस कॉलेज के **नए समागार** और असम कृषि विश्वविद्यालय के **कृषि विज्ञान केंद्र के नए भवन** का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुझे विश्वास है कि यह सभागार और कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) कॉलेज के विद्यार्थियों के अध्ययन, अनुसंधान और अन्य गतिविधियों के लिए लाभकारी होगा। मैं असम कृषि विश्वविद्यालय, कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों को इस नए सभागार के लिए बधाई देता हूं।

8. मुझे विश्वास है कि इस संस्थान के विद्यार्थी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शरत चन्द्र सिन्हा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए काम करेंगे। वास्तव में यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

9. देवियो और सज्जनो,

शिक्षा केवल छात्रों को अगली कक्षा के लिए तैयार करने की प्रक्रिया नहीं है; यह उन्हें जीवन के लिए तैयार करने की प्रक्रिया है। कॉलेज वह जगह है, जहाँ छात्रों को एक नागरिक के रूप में अपने समाज और देश के प्रति उनकी ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए सक्षम बनाता है तथा उन्हें प्रेरित करते हैं। यह विशेष रूप से आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान समय के छात्र हमारे देश का भविष्य हैं।

10. किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में शिक्षा प्रणाली एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होती है। NEP 2020 शिक्षा के मोर्चे पर सबसे परिवर्तनकारी नीतिगत पहल है। इसने शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन लाए हैं और NEP से युवाओं को लाभ होगा, जिसके परिणामस्वरूप एक शिक्षित नई मानव पीढ़ी का निर्माण होगा, जो बदले में देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कृषि क्षेत्र में भी कौशल और दक्षताओं का विकास एक प्राथमिकता बन गई है। NEP 2020 के अतंर्गत कृषि शिक्षा में भी छात्रों के कौशल विकास पर जोर दिया गया है ताकि कृषि क्षेत्र का विकास और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। मैं समझता हूं कि इस कार्य में असम कृषि विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण और सर्वोपरि है।

11. देवियो और सज्जनो,

केंद्र सरकार द्वारा 11 दिसंबर, 2023 को शुरू किए गए **विकसित भारत @ 2047** अभियान का उद्देश्य युवाओं को जोड़ना है। भारत में आजादी के 100वें वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरने की क्षमता है। हमारे सामने अमृतकाल के 24 साल हैं। हमें अमृतकाल का एक भी पल बर्बाद नहीं करना चाहिए। इसलिए हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री की अपील का सम्मान करते हुए, हमें विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा।

12. युवा उद्यमियों के लिए भारत के विकास की तेज गति का हिस्सा बनने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। त्वरित विकास प्रक्रिया की गति को बनाए रखने तथा स्वच्छ और हरित ऊर्जा की भारी मांग को देखते हुए, युवा कृषि-स्नातकों को इस क्षेत्र में गंभीरता और ईमानदारी के साथ काम करने के लिए प्रेरित करना होगा।

13. मुझे प्रसन्नता है कि असम कृषि विश्वविद्यालय ने पहले ही कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में स्टार्ट-अप और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और अपनाने के लिए नीतियां अपनाई हैं।

असम कृषि विश्वविद्यालय की केंद्रीय नवाचार उद्यमिता एवं स्टार्ट-अप परिषद (Central Innovation Entrepreneurship & Start-up Council-CIESC) ने बड़ी संख्या में युवा कृषि उद्यमियों को स्टार्ट-अप के लिए प्रोत्साहित किया है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और युवा विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ उठाते हुए खुद को सफल कृषि-उद्यमी के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

14. मैं कृषि-उद्यमियों से कहना चाहता हूं कि वे हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में शुरू की गई एक्ट-ईस्ट पॉलिसी का लाभ उठाएं और अंतर्राष्ट्रीय बाजार, विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशियाई बाजार का सक्रियता से दोहन करें।

15. मुझे खुशी है कि असम कृषि विश्वविद्यालय (AAU) के कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) अब अनुसंधान प्रणाली द्वारा उत्पन्न प्रौद्योगिकियों के प्रसार में सफलतापूर्वक लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, KVK को निर्यात योग्य उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए किसनों को तकनीकी ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने में योगदान देना चाहिए।

    मैं समझता हूं वर्तमान समय में, केंद्र विज्ञान केंद्र अच्छे कृषि पद्धतियों, जैविक और प्राकृतिक खेती की अवधारणा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि असम कृषि विश्वविद्यालय राज्य में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं के साथ जैविक और प्राकृतिक खेती का एक नया युग लाएगा।

16. अन्त में मैं पुनः शरत चन्द्र सिन्हा कृषि महाविद्यालय के नए सभागार के लिए सभी छात्र-छात्राओं सहित कॉलेज की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं।

17. मैं आप सभी को मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देता हूं। यह कॉलेज निरंतर शैक्षिक सफलता की नई-नई ऊंचाइयों को छूता रहे। इसके लिए मेरी आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिंद।